E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA Part 1st Economics Hons
Paper 1st

Criticisms of the Concept of CONSUMERS SURPLUS

उपभोक्ता की बचत की धारणा की आलोचनाएं

2. मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता समान नहीं रहती - उपभोक्ता की बचत की व्याख्या करते समय प्रो० मार्शल ने यह मान लिया है कि मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर रहती है। लेकिन मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता सर्वदा स्थिर अथवा एक समान नहीं होती। जैसे जैसे हम किसी वस्तु की अधिक इकाइयों को खरीदते हैं वैसे वैसे हमारे पास मुद्रा की मात्रा घटती जाती है। इसके फलस्वरूप मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता ~~घटती जाती है।~~ बढ़ती जाती है। उपभोक्ता की आय (Income) में परिवर्तन होने से भी मुद्रा

~~की सीमान्त~~ उपयोगिता स्थिर नहीं रहेगी तो

की सीमान्त उपयोगिता की माप में कठिनाई होगी। उपभोक्ता की बचत की माप में कठिनाई होगी।

3. प्रत्येक वस्तु एक दूसरे से स्वतंत्र नहीं होती

इस सिद्धान्त में यह मान लिया गया है कि उपभोग की प्रत्येक वस्तु एक दूसरे से स्वतंत्र होती है अर्थात किसी वस्तु की उपयोगिता अन्य वस्तुओं पर निर्भर नहीं करती लेकिन वास्तव में कोई भी वस्तु एक दूसरे से स्वतंत्र नहीं होती उदाहरण के लिए हम कोयले के लिए कितने मूल्य देने को तैयार होंगे यह केवल हमारी कोयले की इच्छा पर ही निर्भर नहीं है वरन इस बात पर भी निर्भर है कि हमने इसके पहले आँटे या चावल पर कितना खर्च किया है। इस प्रकार आँटे या चावल पर व्यय की गयी रकम को ध्यान में रखते हुए कोयले से प्राप्त उपभोक्ता की बचत निश्चय ही उस उपभोक्ता की बचत से भिन्न होगी जो हमें कोयले की खरीद से तब मिलती जब हम आँटे या चावल पर व्यय की गयी रकम को ध्यान में नहीं रखते और कोयले की खरीद से ही अपनी खरीददारी शुरू करते।

4. पूरक तथा स्थानापन्न वस्तुओं के सम्बन्ध में उपभोक्ता की बचत को मापना कठिन है- पूरक वस्तुओं जैसे लालटेन तथा किरासन तेल और स्थानापन्न वस्तुओं जैसे चाय तथा कहवा (coffee) के सम्बन्ध में उपभोक्ता की बचत को मापना कठिन है।